>

Title : Problems being faced by passengers due to Jat agitation on railway tracks in Uttar Pradesh.

श्री जगदम्बिका पाल : महोदय, मैं आपका बहुत आभारी हूं। आपने कहा है कि हम लोग दो मिनट के समय में अपने वक्तव्य को सीमित रखें। मेरी पीड़ा इस सदन के समक्ष इसलिए है कि मैं लाखों लोगों की पीड़ा की तरफ आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। आज पिछले नौ दिनों से आरक्षण जाट महासभा के लोग मुरादाबाद के पास काफुरपुरा स्टेशन पर बैठे हुए हैं। 37 वर्षों में पहली बार लखनऊ-दिल्ली मेल ट्रेन निरस्त हुई है। वर्ष 1974 में जब ऑल इंडिया रेलवे मैन्स एसोसिएशन ने दो दिन की सबसे बड़ी देशव्यापी हड़ताल की थी, या तो उस समय लखनऊ-दिल्ली मेल ट्रेन स्थगित हुई थी। कल 35 ट्रेन निरस्त थीं और आज 53 हो गई। राज्य सरकार उस ट्रैक को खाली कराए। मैं मानता हूँ कि आरक्षण का मुद्दा महत्वपूर्ण हो सकता है लेकिन उन लाखों लोगों को जिनमें से किसी को सुप्रीम कोर्ट पहुँचना है, ऑल इंडिया मैडिकल इंस्टीट्यूट में जिनका ऑपरेशन होना है, अगर 53 गाड़ियाँ निरस्त हुई हैं तो लाखों लोग उससे प्रभावित हैं। आरक्षण का मामला आज पिछड़ा वर्ग आयोग के समक्ष लंबित है। पिछड़ा वर्ग आयोग जब उस पर संस्तुतियाँ करेगा तो भारत सरकार उस पर विचार करेगी। लेकिन वह आम आदमी, वह निरीह यात्री जिनको अपने गंतव्य पर पहुँचना है, जिनके लिए लाइफलाइन रेलवे ही है, वे न तो हवाई जहाज़ से जा सकते हैं, न अपनी कार से जा सकते हैं।

सभापति महोदय : बहुत अच्छा पॉइंट है। आपकी बात आ गई है।

श्री जगदम्बिका पाल : यह सदन चल रहा है और इस सदन के माध्यम से मैं समझता हूँ कि इससे महत्वपूर्ण कोई मामला नहीं हो सकता कि इसका समाधान किया जाए। राज्य सरकार जो इस पर उदासीन बैठी हुई है, राज्य सरकार के अधिकारियों को चाहिए कि उन लोगों से बात करके ट्रैक को खाली करवाएँ जिससे सारी उत्तर रेलवे की ट्रेनें रुकी पड़ी हैं।

सभापति महोदय : जगदम्बिका जी, आपका बहुत महत्वपूर्ण मुद्दा है और मैं समझता हूँ कि माननीय मंत्री जी, have you taken note of what has been said by him?

श्री कमल किशोर,

श्री पी.एल.पुनिया एवं श्री

राजा राम पाल को श्री जगदम्बिका पाल द्वारा उठाए गए मुद्दे के साथ संबद्ध करने की अनुमति दी जाती है।

SHRI V. NARAYANASAMY: Sir, yes.